'विश्व हिंदी दिवस'

10 जानवरी 2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

इंस्टीट्यूट ऑफ़ एडवांस्ड स्टडीज़ इन एजुकेशन(डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) सरदारशहर चुरु, राजस्थान

10 जनवरी 2024, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम एवं द्वितीय इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन न (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), सरदारशहर चुरु, राजस्थान दिनांक 10 जनवरी 2024 को विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम व द्वितीय द्वारा संयुक्त रूप से 'विश्व हिंदी दिवस' मनाया गया। कार्यक्रम में वैश्विक स्तर पर हिंदी की उपयोगिता और बढ़ते कदम पर शिक्षकों ने अपना वक्तव्य दिया। कार्यक्रम में इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कुलराज व्यास ने कहा कि हम सभी को दैनिक कार्यों में हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। भूगोल विभाग के सह आचार्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि हिंदी भाषा में रोजगार की अपार संभावनाएँ हैं। कार्यक्रम में हिंदी भाषा को विश्व हिंदी दिवस के रूप में क्यों मनाते है? विश्व हिंदी दिवस का आरंभ कब हुआ आदि विषय पर हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. कल्पना मौर्य ने प्रकाश डाला। कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. कैलाश पारीक ने बताया कि हिंदी तकनीकी रूप से काफी संमृद्ध भाषा है। हिंदी लेखन के लिए हिंदी में साफ्टवेयर विकसित कर लिए गये हैं जिनका उपयोग हम लेखन कार्य में करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो० ओम प्रकाश जांगिड़ ने की। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. जाँगिड़ ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं हैं, यह एक संस्कार है जो बच्चे को माँ के गर्भ से ही मिलने लगता है।

कार्यक्रम का संचालन एवं निर्देशन कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. दयानिधि पाठक ने किया। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं है बल्कि वह दर्पण है जिसमें हम अपना व्यक्तित्व देख सकते हैं। आज हर जगह हिंदी को संवाद का माध्यम बनाया जा रहा है। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग, संस्कृत विभाग, हिंदी विभाग, भूगोल विभाग के शिक्षक, कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयं सेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम अधिकारी श्री जितेंद्र सैनी ने धन्यवाद दिया।